アーメダバード経営者協会にて「禅ガーデン」と「カイゼンアカデミー」の開所式にてナレンドラ・モディ首相の発言
2021 年 6 月 27 日

ナマスカー
こんにちは
ケムチョウ

「禅ガーデン」と「カイゼンアカデミー」の開所式は、日印関係の簡潔さと現代性を象徴しています。また、この開所式は印日関係を強化し、両国民をより結束させる機会となるでしょう。特に、私の親愛なる友人である井戸敏三知事閣下をはじめとする兵庫県代表の皆様にお祝い申し上げます。知事閣下は 2017 年にアーメダバードを訪問されました。知事閣下と兵庫県国際交流協会の皆様は、アーメダバードの「禅ガーデン」と「カイゼンアカデミー」のために多大な貢献をしてくださいました。また、グジャラート印日友好協会の皆様にもお祝い申しあげます。皆様は印日関係の活性化のために素晴らしい貢献をされました。日本情報研究センターはその典型的な一例です。

友人の皆様、
インドと日本の私たちは外界の成長と繁栄と同じように、内なる平和と進歩を重視してきました。日本庭園は、平和の探求とシンプルさを美しく表現しています。私たちはこの日本庭園を見て、インド人が数世紀に渡ってヨガと精神世界から学んだ平和とシンプルさを感じることができるでしょう。日本人にとっての「禅」とインド人にとっての「ディヤナ」は同じもので。ブッダは、この「禅・瞑想」という智慧を世界に与えました。「カイゼン」という言葉は、今現在の我々の前進し続けようという決意・強さに対して前進し続けようという意欲の真の証であります。皆様の多くは「カイゼン」という言葉はよりよくするという意味だと思っていらっしゃるかもしれませんが、実はもっと深い意味を含んでいます。よりよくするだけではなく、「よりよくし続ける」を重視します。

友人の皆様、
私がグジャラート州首相に着任した直後から、「カイゼン」のための初めての真剣な取り組みが始まりました。私たちはカイゼンを徹底的に研究し、実施し、2004 年に初めて、行政職の研修で「カイゼン」に重点が置かれました。翌 2005 年には、グジャラート州の行政職幹部の会議で「カイゼン」の研修を行いました。私たちは「カイゼン」カイゼンをグジャラートの教育制度、多くの政府機関に実施しました。先ほど触れた「継続的なカイゼン」は今でも続いています。私たちは政府機関のオフィスから山のような不要物を撤去して、手続きを改良し、簡略化しました。また医療部門でも大々的な「カイゼン」が実施されました。何千人もの医師、看護師、病院スタッフがこの「カイゼン」研修を受けました。私たちは多くの省庁でワークショップを行い、手続きを改善し、人々と改善カイゼンを結び付けました。カイゼンはガバナンスに非常に前向きな影響を及ぼしました。

友人の皆様
私たちは、ガバナンスが進歩において大きな役割を果たしていることを知っています。
人、組織、社会、国の成長においてガバナンスは大きな要素として働きます。私は、グジャラートからデリーにカイゼン経験を持ち込みました。私は首相官邸やその他の省庁でカイゼンを実施し始めました。その結果、多くのプロセスは簡略化され、オフィスのスペースは最適化されました。今日でも、中央政府の多くの省庁、組織、スキームで改善カイゼンが取り入られています。

友人の皆様、
今日いらしている日本の皆さんは、私が日本と個人的に強い関係を持っていることをご存知だと思います。日本人の方々の愛情、働き方、能力機能、規律正しさに、私はいつも感銘を受けてきました。私がグジャラートで小さな日本を作りたかった理由は、日本の方々にグジャラートにきていただいて、同じような暖かさ、友情を感じていただきたかったからです。「バイブラント・グジャラート・サミット」を開始したときから、日本はこのサミットのパートナー国でした。今日でも、日本は「バイブラント・グジャラート・サミット」に参加する最大の代表団の一つです。私たちは、日本がグジャラートとグジャラートの人々の能力を信頼してくれていることに満足感を感じています。もっとも成功している日本企業は、皆グジャラートに進出しています。135社以上の日本企業が、すでに進出しています。自動車から銀行、建設から製薬、あらゆる分野の日本企業がグジャラートに事業所を設けています。スズキ自動車、ホンダ、三菱、トヨタ、日立などの企業は、グジャラートで生産しています。素晴らしいことに、これらの会社はグジャラートの若者の技能開発を支援してくれています。三つある日本式ものづくり学校は、毎年数百人の若者に技能研修を実施しています。多くの企業は、グジャラートの技術系大学や ITI と連携しています。

友人の皆様
日本とグジャラートの関係について、話したいことが山ほどありますが、時間が足りません。この関係は、お互いのニーズに関する理解、親密な感情、愛情によってさらに強化されています。グジャラートは、いつも日本を特別に重視してきました。一つの例ですが、ジェトロのアーメダバード・ビジネス支援センターは五つの会社に、同時に、すぐに使えるプラグ・アンド・プレー・オフィスを提供しました。多くの日本企業が、ここから大きな恩恵を受けています。昔を振り返ると、グジャラートの人たちがいかに細部にこだわっていたかを思い出します。私が州首相だったころ、日本の代表団との非公式会談で、ある興味深い話題が出ました。日本人はゴルフが好きですが、グジャラートにはゴルフ場はあまりありませんでした。この会談の後、私たちはグジャラートのゴルフ場を増やすため特別

に力を入れしました。今日、グジャラートにたくさんゴルフ場があることを嬉しく思います。グジャラートには、日本料理店もたくさんあります。私たちは、日本人にとってグジャラートが居心地のよい場所になるよう、努力してきました。また、より多くのグジャラートの人が日本語を勉強するように奨励しました。今日グジャラートの実業界では、日本語を話せる人が大勢います。グジャラートの大学の一つが日本語コースを開始すると聞きました。大変良いスタートことだと思います。グジャラートで日本式の学校の教育モデルを採用してほしいと思います。私は、日本の教育が現代性と道徳的価値観を共に重視していることは大変素晴らしいと思います。私が日本で泰明小学校を訪問しましたが、そのときのことは今でもよく覚えています。子供たちとお喋りができたことは大変嬉しい機会でした。

友人の皆様、
私たちには古代から続く文化的な絆で強化された土台があり、また、未来への共通したヴィジョンがあります。この土台の上に私たちは、長年、印日特別戦略的グローバルパートナーシップを強化し続けてきました。首相官邸では、「ジャパンプラス」という日本向けの特別な機関も設けました。私の親友である安倍晋三前首相のグジャラート訪問は、印日関係に新たなエネルギーをもたらしました。安倍首相は新幹線計画が始まったことに感激していました。安倍首相とお会いすると、今でもグジャラートの思い出話をされます。日本の菅首相は、実直で建設的な方でいらっしゃいます。菅首相と私は、このパンデミックの時代、日本とインドの友情とパートナーシップは世界の安定と繁栄にとってますます重要であると感じています。私たちがグローバルな課題に直面するなか、日本とインドの友情、関係はますます強化されなければなりません。カイゼンアカデミーのような取り組みは重要な一歩となるでしょう。カイゼンアカデミーがインドで日本式の働き方を広め、印日間のビジネス交流を促進することを期待しています。この方向に向けてすでに行われている取り組みを加速しなければなりません。例えば、グジャラート大学と大阪の追手門大学の学生交流も、過去 50 年間、印日関係の強化に貢献してきました。これはさらに拡大することができるでしょう。このような連携は、もっと多くの期間の間で実施することができます。そのような取り組みがさらに広がり、印日関係がさらなる高みに達すると確信しています。この機会に、日本の皆様に対し、東京オリンピックの成功をお祈り申し上げます。
ありがとうございました。

*****

PM'S REMARKS AT THE INAUGURATION OF ZEN GARDEN AND KAIZEN ACADEMY AT AMA, AHMEDABAD
27 JUN 2021

नमस्कार!
कोन्नीचीवा।
केम छो
ज़ेन गार्डेन और काईज़ेन अकैडमी के लोकार्पण का ये अवसर भारत जापान के सम्बन्धों की सहजता और आधुनिकता का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि Japanese ज़ेन गार्डन और काईज़ेन Academy की ये स्थापना, भारत और जापान के रिश्तों को और मजबूत करेगी, हमारे नागरिकों को और करीब लाएगी। विशेष रूप से , मैं ह्योगो प्री-फेक्चर के लीडर्स का , मेरे अभिन्न मित्र गवर्नर श्रीमान ईदो तोशीजो को विशेष रूप से इस समय अभिनन्दन करता हूँ। गवर्नर ईदो 2017 में स्वयं अहमदाबाद आए थे। अहमदाबाद में ज़ेन गार्डन और काईज़ेन Academy की स्थापना में उनका और ह्योगो International Association का बहुमूल्य योगदान रहा है। मैं Indo-Japan Friendship Association of Gujarat के साथियों को भी बधाई देता हूं। उन्होंने भारत जापान संबंधों को ऊर्जा देने के लिए निरंतर उल्लेखनीय कार्य किया है। Japan Information and Study Centre भी इसकी एक मिसाल है।

साथियों,
भारत और जापान जितना बाहरी प्रगति और उन्नति के लिए समर्पित रहे हैं , उतना ही आंतरिक शांति और प्रगति को भी हमने महत्व दिया है। जापानीज़ ज़ेन गार्डेन, शांति की इसी खोज की, इसी सादगी की एक सुंदर अभिव्यक्ति है। भारत के लोगों ने सदियों से जिस शांति , सहजता और सरलता को योग और आध्यात्म के जरिए सीखा समझा है , उसी की एक झलक उन्हें यहाँ दिखेगी। और वैसे भी , जापान में जो 'ज़ेन' है, वही तो भारत में 'ध्यान' है। बुद्ध ने यही ध्यान, यही बुद्धत्व संसार को दिया था। और जहाँ तक 'काईज़ेन' की संकल्पना है, ये वर्तमान में हमारे इरादों को मजबूती की , निरंतर आगे बढ़ने की हमारी इच्छाशक्ति का जीता जागता सबूत है।
आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि काईज़ेन का literal meaning होता है 'improvement', लेकिन इसका आंतरिक अर्थ और भी ज्यादा व्यापक है। ये सिर्फ improvement नहीं, continuous improvement पर बल देता है।

साथियों,
जब मैं मुख्यमंत्री बना, तो उसके कुछ समय बाद काईजेन को लेकर गुजरात में पहली बार गंभीर प्रयास शुरू हुए थे। हमने काईजेन का बाकायदा अध्ययन करवाया था, उसे लागू करवाया था और 2004 का समय था जब पहली बार administrative training के दौरान काईजेन पर इतना जोर दिया गया था। फिर अगले साल 2005 में गुजरात के टॉप सिविल सर्वेन्ट्स के साथ चिंतन शिबिर हुआ, तो सभी को हमने काईजेन की ट्रेनिंग दी।

फिर हम इसे गुजरात की शिक्षा व्यवस्था तक ले गए , अनेक सरकारी कार्यालयों तक ले गए। जिस continuous improvement की बात मैं यहां कह रहा था, वो भी लगातार जारी रहा। हमने सरकारी दफ्तरों से ट्रक भर-भर के बेवजह का सामान बाहर किया , प्रक्रियाओं में सुधार किया, उन्हें और आसान बनाया।
इसी तरह हेल्थ डिपार्टमेंट में भी काईजेन की प्रेरणा से बहुत बड़े-बड़े सुधार किए गए। हजारों डॉक्टरों , नर्सों, हॉस्पिटल स्टाफ को इस काइजेन के model की ट्रेनिंग दी गई। हमने अलग-अलग डिपार्टमेंट में Physical Workshop पर काम किया, Process पर काम किया, लोगों को engage किया, उन्हें इससे जोड़ा। इन सबका बहुत बड़ा सकारात्मक प्रभाव गवर्नेंस पर पड़ा।

साथियों,
हम सब जानते है कि प्रगति के अंदर गवर्नेंस बहुत महत्वपूर्ण होता है। चाहे व्यक्ति के विकास की बात हो , संस्था का विकास हो, समाज या देश का विकास हो, गवर्नेंस बहुत Important Factor है। और इसलिए, मैं जब गुजरात से यहां दिल्ली आया, तो काईजेन से मिले अनुभवों को भी अपने साथ लाया। हमने PMO और केंद्र सरकार के अन्य डिपार्टमेन्ट्स में इसका प्रारंभ भी किया।इस वजह से कितने ही प्रोसेस और आसान बने, ऑफिस में बहुत सारी जगह को हमने ऑप्टिमाइज किया। आज भी केंद्र सरकार के कई नए विभागों में, संस्थाओं में, योजनाओं में काईजेन को अपनाया जा रहा है।

साथियों,
इस कार्यक्रम से जुड़े जापान के हमारे अतिथि जानते हैं कि मेरा व्यक्तिगत तौर पर जापान के साथ कितना जुड़ाव रहा है। जापान के लोगों का स्नेह, जापान के लोगों की कार्यशैली, उनका कौशल, उनका अनुशासन, हमेशा से प्रभावित करने वाला रहा है। और इसलिए मैंने जब भी कहा है- I wanted to create Mini-Japan in Gujarat, तो उसके पीछे मुख्य भाव रहा है कि जब भी जापान के लोग गुजरात आएं , तो उन्हें वैसी ही गर्मजोशी दिखे, वैसा ही अपनापन मिले। मुझे याद है वाइब्रेंट गुजरात समिट के प्रारंभ से ही जापान एक पार्टनर कंट्री के तौर पर इससे जुड़ गया था। आज भी वाइब्रेंट गुजरात समिट में सबसे बड़े जो डेलीगेशन आते है , उसमे एक जापान का ही होता है। और जापान ने गुजरात की धरती पर, यहां के लोगों के सामर्थ्य पर जो विश्वास जताया है, ये देखकर हम सबको संतोष होता है।
जापान की एक से बढ़कर एक कंपनियां आज गुजरात में काम कर रही हैं। मुझे बताया गया है कि इनकी संख्या करीब करीब 135 से भी ज्यादा है। ऑटोमोबिल से लेकर बैंकिंग तक, कंस्ट्रक्शन से लेकर फार्मा तक, हर सेक्टर की जापानी कंपनी ने गुजरात में अपना बेस बनाया हुआ है। सुजुकी मोटर्स हो, होन्डा मोटरसायकिल हो, मित्शुबिशी हो, टोयोटा हो, हिटाची हो, ऐसी अनेकों कंपनियां गुजरात में मैन्यूफैक्चरिंग कर रही हैं। और एक अच्छी बात ये है कि ये कंपनियां गुजरात के युवाओं का स्किल डवलपमेंट करने में भी बहुत मदद कर रही हैं। गुजरात में तीन , Japan-India Institute for Manufacturing, हर साल सैकड़ों युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दे रहे हैं। कई कंपनियों का गुजरात की टेक्नीकल यूनिवर्सिटीज और ITI's से भी टाई-अप है।

साथियों,
जापान और गुजरात के संबंधों को लेकर कहने के लिए इतना कुछ है , कि समय कम पड़ जाएगा। ये संबंध आत्मीयता , स्नेह और एक दूसरे की भावनाओं को, एक दूसरे की जरूरतों को समझने में और मजबूत हुए हैं। गुजरात ने हमेशा जापान को विशेष महत्व दिया है। अब जैसे JETRO ने ये जो Ahmedabad Business Support Centre खोला है, उसमें एक साथ पांच कंपनियों को plug and play work-space facility देने की सुविधा है। जापान की बहुत सारी कंपनियों ने इसका लाभ उठाया है। मैं कई बार जब पुराने दिनों के बारे में सोचता हूं तो लगता है कि गुजरात के लोगों ने भी कितनी छोटी-छोटी बारीकियों पर ध्यान दिया है। मुझे याद है मुख्यमंत्री के तौर पर एक बार मैं जापान के डेलीगेशन के साथ बातचीत कर रहा था तो Informally एक विषय उठा। ये विषय बड़ा ही दिलचस्प था। जापान के लोगों को गॉल्फ खेलना बहुत पसंद है लेकिन गुजरात में golf courses का उतना प्रचलन ही नहीं था। इस बैठक के बाद विशेष प्रयास किया गया की गुजरात में golf courses का भी विस्तार हो। मुझे खुशी है कि आज गुजरात में कई golf courses हैं। कई रेस्टोरेन्ट्स भी ऐसे हैं जिनकी विशेषता जापानीज फूड है। यानि एक प्रयास रहा है कि जापान के लोगों को गुजरात में , Feel at Home कराया जा सके। हम लोगों ने इस बात पर भी बहुत काम किया कि गुजरात में जापानी भाषा बोलने वालों की संख्या भी बढ़े। आज गुजरात के प्रोफेशनल वर्ल्ड में बहुत से लोग ऐसे हैं जो आसानी से जापानी बोलते हैं। मुझे बताया गया है कि राज्य की एक यूनिवर्सिटी, जापानी भाषा सिखाने के लिए एक कोर्स भी शुरू करने जा रही है। एक अच्छी शुरुआत होगी।
मैं तो चाहूंगा कि गुजरात में, जापान के स्कूल सिस्टम का भी एक मॉडल बने।
जापान के स्कूल सिस्टम का, वहां जिस तरह आधुनिकता और नैतिक मूल्यों पर साथ जोर दिया जाता है , उसका मैं बहुत प्रशंसक रहा हूं। जापान के ताईमेई स्कूल में मुझे जाने का अवसर मिला था और वहां बिताए कुल पल मेरे लिए एक प्रकार से यादगार हैं। उस स्कूल के बच्चों से बात करना, मेरे लिए आज भी एक अनमोल अवसर मैं कह सकता हूं।

साथियों,

हमारे पास सदियों पुराने सांस्कृतिक सम्बन्धों का मजबूत विश्वास भी है, और भविष्य के लिए एक कॉमन विज़न भी! इसी आधार पर, पिछले कई वर्षों से हम अपनी Special Strategic and Global Partnership को लगातार मजबूत कर रहे हैं। इसके लिए PMO में हमने जापान-प्लस की एक विशेष व्यवस्था भी की है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री और मेरे मित्र श्रीमान शिंजो अबे जब गुजरात आए थे , तो भारत-जापान रिश्तों को नई गति मिली थी। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम शुरू होने पर वो बहुत उत्साहित थे। आज भी उनसे बात होती है , तो वो अपने गुजरात दौरे को जरूर याद करते हैं। जापान के वर्तमान प्रधानमंत्री श्रीमान योशिहिदे सुगा भी बहुत सुलझे हुए व्यक्ति हैं। PM सुगा और मेरा ये विश्वास है कि Covid pandemic के इस दौर में, भारत और जापान की दोस्ती, हमारी पार्टनरशिप, global stability और prosperity के लिए और ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। आज जब कई वैश्विक चुनौतियां हमारे सामने खड़ी हैं, तो हमारी ये मित्रता, हमारे ये रिश्ते, दिनोंदिन और मजबूत हों, ये समय की मांग है। और निश्चित तौर पर काईजेन academy जैसे प्रयास, इसका बहुत सुंदर प्रतिबिंब हैं।

मैं चाहूँगा कि काईज़ेन Academy जापान के वर्क-कल्चर का भारत में प्रचार-प्रसार करे, जापान और भारत के बीच business interactions बढाए। इस दिशा में पहले से जो प्रयास चल रहे हैं, हमें उन्हें भी नई ऊर्जा देनी है।जैसे गुजरात यूनिवर्सिटी और ओसाका के ओतेमोन गाकुइन University के बीच Indo-Japan Student Exchange Program है। ये प्रोग्राम पांच दशकों से हमारे रिश्तों को मजबूती दे रहा है। इसका और विस्तार किया जा सकता है। दोनों देशों के और संस्थानों के बीच में भी इस तरह की partnerships की जा सकती है।

मुझे विश्वास है, हमारे ये प्रयास इसी तरह निरंतरता से आगे बढ़ेंगे, और भारत-जापान मिलकर विकास की नई ऊंचाईयां हासिल करेंगे। मैं आज इस कार्यक्रम के माध्यम से, जापान को, जापान के लोगों को, टोक्यो ओलंपिक के आयोजन के लिए भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद!

PRESS RELEASE : https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1730661